ऊर्जा मंत्री ने किया नजफगढ़ में 66/11 केवी ग्रिड का उद्घाटन, 3 लाख लोगों को होगा फायदा

- पश्चिमी दिल्ली में और सुधरेगी बिजली की आपूर्ति

नई दिल्ली: 20 मई, 2015। दिल्ली के माननीय ऊर्जा मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन ने आज नजफगढ़ में अत्याधुनिक 66/11 केवी ग्रिड का उद्घाटन किया। इस ग्रिड से पश्चिमी दिल्ली के एक बड़े हिस्से में बिजली की आपूर्ति में और सुधार होगा। यह नवनिर्मित ग्रिड, इस इलाके के 3 लाख लोगों को फायदा पहुंचाएगा।

ग्रिड के उद्घाटन के मौके पर माननीय विधायकगण श्री गुलाब सिंह यादव, श्री कैलाश गहलौत और श्री नरेश बलियान के अलावा, दिल्ली सरकार और दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। यहां बीआरपीएल सीईओ श्री अरविन्द गुजराल के नेतृत्व में बीएसईएस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

इस मौके पर बीआरपीएल के सीईओ श्री अरविन्द गुजराल ने कहा– 50 एमवीए की क्षमता वाला यह 66/11 केवी ग्रिड बीआरपीएल और दिल्ली जल बोर्ड के बीच साझेदारी का एक अनोखा उदाहरण है। इस ग्रिड को तैयार करने में दिल्ली जल बोर्ड ने भी वित्तीय सहायता दी है। यह ग्रिड आने वाले दिनों में इस पूरे क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को और अधिक सुचारू, विश्वसनीय तथा निर्बाध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नजफगढ़ के अलावा, यहां स्थित दिल्ली जल बोर्ड के पंपिंग स्टेशन और डीएमआरसी कॉलोनी को इस ग्रिड से काफी फायदा होगा। इसके अलावा राणाजी एन्क्लेव, किरण गार्डन, रमा पार्क, मोहन गार्डन, विकासपुरी, सैनिक एन्क्लेव, अनाज मंडी, दीनापुर और गोयल कॉलोनी को भी इस ग्रिड से लाभ होगा। यही नहीं, यह ग्रिड काकरोला और द्वारका के सेक्टर 14 और सेक्टर 16 के लिए भी बैकफीड के तौर पर काम करेगा।

श्री गुजराल के मुताबिक, वर्तमान में इस इलाके को बीआरपील के द्वारका व नांगलोगई ग्रिड स्टेशनों, तथा डीटीएल के नजफ़ढ़ 220 केवी ग्रिड के माध्यम में बिजली की आपूर्ति की जाती है। फिलहाल, यहां की लोड क्षमता 150 एमवीए यानी 120 मेगावॉट है। इस क्षेत्र में 10 से 12 प्रतिशत की दर से बिजली की मांग बढ़ रही है। इस ग्रिड के शुरू होने के बाद, इलाके में बीआरपीएल की बिजली वितरण की क्षमता 50 एमवीए और बढ़ जाएगी। इससे, इलाके के उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

24 करोड़ रूपये की लागत से इस अत्याधुनिक ग्रिड का निर्माण किया गया है। इस ग्रिड में इस्तेमाल तकनीक, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के हिसाब से है। इस ग्रिड के निर्माण में 15 किलोमीटर केबल का इस्तेमाल किया गया है। ग्रिड में इस्तेमाल तकनीक का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे संचालित ककरने के लिए किसी मानवीय हस्तक्षेप की जरूरत नहीं होगी। यह एक मानवरहित ग्रिड होगा, जिसका संचालन कालकाजी स्थित स्काडा सेंटर से यिका जा सकता है।

नजफगढ़ और आसपास के क्षेत्रों का तेजी से विकास हो रहा है। इस नए ग्रिड से इस क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।